भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*208

सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

झारखंड में जनजातीय और नृजातीय विषयक पर्यटन को बढ़ावा देना

†*208. डॉ. निशिकान्त दुबेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने झारखंड राज्य में जनजातीय और नृजातीय विषयक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो राज्य में जनजातीय और नृजातीय विषयक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आबंटित की गई और उपयोग में लाई गई निधियों सहित कार्यान्वित योजनाओं और कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में सरकार के सामने आ रही चुनौतियां अथवा बाधाएं, यदि कोई हों, तो वे क्या हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

डॉ. निशिकान्त दुबे द्वारा झारखंड में जनजातीय और नृजातीय विषयक पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 15.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न संख्या †*208 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (ग): जी हां, पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयासों के हिस्से के रूप में झारखंड राज्य में जनजातीय और नृजातीय पर्यटन सहित भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को, संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, राज्य सरकारों को मेलों और महोत्सवों के आयोजन हेतु सहायता, प्रदर्शनियों में भागीदारी, वेबसाइट, सोशल मीडिया आदि सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से बढ़ावा देता है।

पर्यटन मंत्रालय 'आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच)', 'स्वदेश दर्शन', 'राष्ट्रीय तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी योजनाओं के तहत राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को पर्यटन के संवर्धन एवं विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

एसडी 2.0 की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक उप-योजना के तहत रामरेखा धाम, सिमडेगा में पर्यटन अवसंरचना के विकास कार्य को 18.87 करोड़ रुपये की राशि से स्वीकृति प्रदान की गई है।

पिछले पाँच वर्षों के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत झारखंड राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** में दी गई है।

भारत सरकार ने 'प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों के विकास हेतु पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' नामक योजना के दिशानिर्देशों के तहत झारखंड राज्य में 34.87 करोड़ रुपये की राशि की 'तिलैया, कोडरमा का इको-पर्यटन विकास' नामक परियोजना को मंजूरी प्रदान की है।

सरकार ने 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' के हिस्से के रूप में पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के तहत जनजातीय होमस्टे के विकास संबंधी पहल को भी मंजूरी दी है। इस पहल में नए निर्माण के लिए प्रति इकाई अधिकतम 5 लाख रुपये तक, नवीनीकरण के लिए अधिकतम 3 लाख रुपये तक तथा ग्राम समुदाय की आवश्यकताओं के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता के प्रावधान के साथ 1000 होमस्टे का विकास शामिल है।

*****

अनुबंध

डॉ. निशिकान्त दुबे द्वारा झारखंड में जनजातीय और नृजातीय विषयक पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 15.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न संख्या †*208 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पिछले पाँच वर्षों के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत झारखंड राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

(लाख रु. में)

योजना	**वर्ष**	**परियोजना**	**स्वीकृत राशि**	**जारी राशि**
स्वदेश दर्शन	2018-19	इको-पर्यटन परिपथ: दलमा-बेतला नेशनल पार्क - मिरचैया - नेतरहाट का इको परिपथ के तहत विकास	3044	3044
प्रशाद	2018-19	बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर का विकास	3679	3495
आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच)	2017-18	इटखोरी महोत्सव	25	25
	2019-20	भैरवनाथ महोत्सव	25	25
		शरद महोत्सव, नेतरहाट	25	25

*****